एमएसओ

समाजशास्त्रमें स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2023 एवं जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

मूलपाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओ 001 : समाजशास्त्रीय सिद्धांत और संकल्पनाएं
एमएसओ 002 : शोध पद्धतियाँ और विधियाँ
एमएसओ 003 : विकास का समाजशास्त्र
एमएसओ 004 : भारत में समाजशास्त्र

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-001, 002, 003, 004/सत्रीय कार्य/ टीएमए/2023–24

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकात्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमन बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के सयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2023सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2024**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2024सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2024**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्यकरते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध कर।

2 **व्यवस्थापन :** पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति :** अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और जरूरी बिंदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ–001 : समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं संकल्पनाएँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 **कार्यक्रम कोड : एमएसओ**

अधिभारिता : 30% **पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.–001**

सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.–001/सत्रीय कार्य/टीएमए/2023–2024

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग–I

1. समाजशास्त्रीय विश्लेषण में संकल्पना एवं सिद्धांत की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 20

2. इवांस-प्रिचर्ड के सामाजिक संरचना पर दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए। 20

3. मार्क्सवादी और वेबेरियन विचारधाराओं के बीच अंतर की जाँच कीजिए। 20

4. मलिनॉस्की के संस्कृति के वैज्ञानिक सिद्धांत की चर्चा कीजिए। 20

5. सांकेतिक जगत के संदर्भ में सामाजिक वास्तविकता की संकल्पना की व्याख्या कीजिए। 20

भाग–II

6. आधुनिकीकरण एवं आधुनिकता के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। 20

7. लैंगिंक स्तरीकरण में जाति के तत्वों की चर्चा कीजिए। 20

8. लोकतंत्र में नागरिक समाज की भूमिकाओं एवं कार्यों की व्याख्या कीजिए। 20

9. सामाजिक स्तरीकरण को समझने के लिए प्रमुख दृष्टिकोणा की व्याख्या कीजिए। 20

10. उत्तर संरचनातमकता क्या है? डरिडा के 'विनिर्माण' के सिद्धांत की जाँच कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ–002: शोध पद्धतियाँ और कार्यविधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोडः एसएसओ–002
सत्रीय कार्य कोडः एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2023–24

अधिकतम अंकः 100
अधिभारिताः 30%

भाग–।

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिएः

1. क्षेत्र शोध के लाभ एवं सीमाओं पर चर्चा कीजिए। 25
2. सहभागी शोध से आप क्या समझते हैं? उचित उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिए। 25
3. समाजशास्त्रीय शोध में आँकड़ा विश्लेषण को परिमाणात्मक विधियों की प्रासंगिकता की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25
4. सामाजिक शोध की विधि के रूप में केस अध्ययन का वर्णन कीजिए। 25
5. समाजशास्त्रीय शोध में नैतिकता की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 25

भाग–।।

निम्नलिखित विषयवस्तुओं में से किसी *एक*पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

i) भारत में शिक्षा और सामाजिक गतिशीलता 50

ii) भारतीय युवा और सोशल मीडिया 50

iii) सड़क विक्रेता और भारतीय समाज 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं। साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित किन्हीं दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेख अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए लिखिए।
प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययन संग्रहित करने होंगे और चयनित विषयवस्तु पर अपनी रिपोर्ट तुलनात्मक ढाँचे में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- चयनित मुद्दे को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे मेंएक समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों की प्रस्तुति संसक्त रूप से करें और
- अंत में उचित संदर्भ (बिंदुओं) का उल्लेख करें।

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
एम.एस.ओ.–003: विकास का समाजशास्त्र

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.–003
सत्रीय कोडः एम.एस.ओ.–003/सत्रीय कार्य/
टी.एम.ए. /2023–24
अधिभारित : 30%
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

भाग–I

1. विकास क्या है? विकास के सामाजिक एवं मानवीय आयामों पर चर्चा करें। **20**

2. हरित शांति आंदोलन क्या है? समकालीन विश्व में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा करें। **20**

3. जातीय-विकास की अवधारणा और भारत की विकासात्मक रणनीति में इसकी प्रासंगिकता को विस्तार से समझाइए। **20**

4. समाज के आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिक पहलुओं पर बड़े बांधों के प्रभावों पर चर्चा कीजिए। **20**

5. ज्ञान/सूचना समाज क्या है? समुदायों को सशक्त बनाने में ज्ञान और आईसीटी की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। **20**

भाग –II

6. जनविज्ञानआंदोलनके उद्भव और विकास पर विस्तार से चर्चा कीजिए। **20**

7. जनसंख्या नियंत्रण पर राज्य की भूमिका को विस्तार से समझाइये। **20**

8. 'मानव विकास' से आप क्या समझते हैं? यह आर्थिक विकास से किस प्रकार भिन्न है? **20**

9. निर्भरता सिद्धांत का वर्णन करें और इसकी मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **20**

10. समाज के वंचित वर्गों के सशक्तिकरण में नागरिक समाज की भूमिका की विवेचना कीजिए। **20**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ–004 : भारत में समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 **कार्यक्रम कोड : एमएसओ**

अधिभारिता : 30% **पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.–004**

सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.–004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2023–2024

किन्हीं पाँच प्रश्नों (पत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग–I

1. भारत में सामाजिक विचारों की उस विरासत का वर्णन कीजिए जिसके कारण समाजशास्त्र का उद्भव हुआ। 20

2. भारत में गाँवों पर हुए प्रमुख शोधों की चर्चा उपयुक्त उदाहरणों के साथ कीजिए। 20

3. जाति की अवधारणा को परिभाषित कीजिए तथा भारत में जाति पर ब्राह्मणवादी परिप्रेक्ष्य की चर्चा उपयुक्त उदाहरणों सहित कीजिए। 20

4. भारतीय श्रमिक वर्ग की सामाजिक पृष्ठभूमि की व्याख्या कीजिए। 20

5. मध्यम वर्ग की महिलाओं में बदलते मूल्यों और जीवन-शैली का वर्णन कीजिए। 20

भाग–II

6. भारत में प्रमुख कृषक वर्ग कौन से है? विभिन्न समाजशास्त्रियों के योगदान के संदर्भ में चर्चा कीजिए। 20

7. भारत में जनजाति और जाति के बीच संबंधों की चर्चा उपयुक्त उदाहरणों के साथ कीजिए। 20

8. भारत में जाति, वर्ग एवं लैंगिक की अवधारणाओं की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

9. महामारी या भूकंप जैसी सामाजिक आपदा के दौरान नगरीय और ग्रामीण समाज में क्या परिवर्तन होते है? आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षित टिप्पणी लिखिएः 20

    क) संस्कृतिकरण की अवधारणा

    ख) वैश्विकरण और उसके प्रभाव।

    ग) सामाजिक आंदोलन को परिभाषित कीजिए।

    घ) सामाजिक परितर्वन और सामाजिक क्रांति।